

>

Title : Need to release the pending dues of sugarcane growers in Uttar Pradesh.

श्री मुंशी राम (बिजनौर) : महोदय, भारतवर्ष में उत्तर प्रदेश का चीनी उत्पादन करने में दूसरा स्थान है। उ०प० के पश्चिमी भाग में गन्ने की ज्यादा पैदावार होती है। लेकिन प्रोड्यूसर चीनी मिल मालिकों द्वारा वर्ष 2006-2007 का पूरा भुगतान गन्ना किसानों को अभी तक नहीं दिया गया है। उ०प० सरकार द्वारा इस वर्ष के लिए 125/- व 130/- ₹० प्रति कु० गन्ने का खरीद मूल्य निर्धारित किया गया था कि इसी बीच उच्चतम न्यायालय ने शेष भुगतान से वंचित किसानों को उ०प० सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य से 7/- ₹० कि० कम रेट पर भुगतान करने का आदेश जारी कर दिया है। इस फैसले से किसानों का कई हजार करोड़ रुपया प्रभावित हो गया है। किसानों को एक वर्ष के पश्चात भी भुगतान एवं उस पर अतिरिक्त ब्याज न देना व्यवहारिक रूप से उचित नहीं है। पश्चिमी उ०प० के किसानों को वर्ष 2006-2007 के साथ-साथ वर्ष 2007-2008 का भी भुगतान अतिशीघ्र करवाया जाये।

वर्ष 2005-2006 में गन्ना उत्पादन करने वाले किसानों को सरकार द्वारा घोषित मूल्य के अतिरिक्त 13/- ₹० प्रति कि० प्रोत्साहन राशि की घोषणा की गयी थी। इस भुगतान को जिला बिजनौर की निगम एवं सहकारिता संघ चीनी मिलों द्वारा अत्यधिक लाभ के पश्चात भी उपरोक्त राशि का भुगतान नहीं किया गया है। उपरोक्त प्रोत्साहन राशि का भुगतान मय ब्याज के अतिशीघ्र संबंधित चीनी मिलों से करवाया जाये।

â€!(व्यवधान)

सभापति महोदय : अब हम सामान्य बजट के ऊपर चर्चा प्रारम्भ करते हैं।

â€!(व्यवधान)

सभापति महोदय: आचार्य जी, अब आप अपना विषय कल उठाइए। सामान्य बजट पूरे देश के लोगों से संबंधित है और सभी माननीय सदस्य सामान्य बजट पर होने वाली चर्चा में हिस्सा लेना चाहते हैं।

â€!(व्यवधान)

सभापति महोदय: आचार्य जी, आप कल सुबह इसे उठाइए।

â€!(व्यवधान)

सभापति महोदय: आचार्य जी, सामान्य बजट पर होने वाली चर्चा को पूरे देश के लोग सुनना चाहते हैं।

â€!(व्यवधान)

सभापति महोदय: आचार्य जी, आपको कल बोलने का मौका मिलेगा।

â€!(व्यवधान)

सभापति महोदय: आचार्य जी, आप बहुत सीनियर मੈम्बर हैं। बजट पर चर्चा होने दीजिए। आप इसे कल उठाइए।

â€!(व्यवधान)

सभापति महोदय: आप कल अपना विषय उठाइए। अभी संसद का यह सत्र 20 तारीख तक है।

â€!(व्यवधान)

सभापति महोदय: कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं जाएगा।

...(व्यवधान) *

सभापति महोदय: जो कुछ भी कहा जा रहा है, वह लिखा नहीं जाएगा।

...(व्यवधान) *

सभापति महोदय: कुछ लिखा नहीं जा रहा है। आपके बोलने का क्या फायदा है?

...(व्यवधान) *

सभापति महोदय: इसे आप कल शून्यकाल में उठाइए।

â€!(व्यवधान)

* Not recorded

सभापति महोदय: सामान्य बजट के ऊपर चर्चा होनी है। आप बैठिए।

â€!(ल्यवधान)

सभापति महोदय: आपको नेता को बोलना है। आप किस लिए हल्ला कर रहे हैं?

â€!(ल्यवधान)

सभापति महोदय : मल्होत्रा जी, आप अपना भाषण शुरू कीजिए और सेठी साहब आप बैठिए।

â€!(ल्यवधान)

SHRI ARJUN SETHI (BHADRAK) : Sir, we have given a notice. ...(*Interruptions*)

सभापति महोदय : आप इसे क्ल शून्य काल में उठाइए, आपकी बात सुनी जाएगी।

â€!(ल्यवधान)

सभापति महोदय : आप बैठें। आचार्य जी, त्रिपाठी जी, आपकी बात लिखी नहीं जा रही है।

â€!(ल्यवधान)

सभापति महोदय : क्या फायदा है? मल्होत्रा जी, आप अपना भाषण प्रारंभ करें। जब आप खड़े होंगे तब वे बैठ जाएंगे।

â€!(ल्यवधान)

सभापति महोदय : आप इस बात को क्ल शून्य काल में उठाएं क्योंकि आज अनुमति नहीं है।

â€!(ल्यवधान)

सभापति महोदय : कार्रवाई में कोई बात नहीं जा रही है। क्या फायदा है?

â€!(ल्यवधान)

सभापति महोदय : ये सब कार्रवाई का हिस्सा नहीं है। आचार्य जी, यह संभव नहीं है।

â€!(ल्यवधान)